नईदुनिया

अक्टूबर-नवंबर में होगी एशियाई महिला हॉकी प्रतियोगिता, निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर से भोपाल को मिलेगी वैश्विक पहचान : डॉ. यादव

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नाथू बरखेड़ा में विकसित हो रहा अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर मध्यप्रदेश की सबसे बड़ी और महत्वाकांक्षी खेल अधोसंरचना परियोजनाओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि 985.76 करोड़ रुपये की लागत से 136.296 एकड़ क्षेत्र में बन रहा यह परिसर प्रदेश को देश के प्रमुख खेल केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और भोपाल को वैश्विक खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

मुख्यमंत्री ने सोमवार को निर्माणाधीन खेल परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों को सभी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किए जा रहे कृत्रिम हॉकी मैदान और एथलेटिक्स ट्रैक का अवलोकन किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने बताया कि पहले चरण में पांच हजार दर्शक क्षमता वाले हॉकी स्टेडियम और कृत्रिम हॉकी मैदान का निर्माण पूरा हो चुका है। इसी मैदान पर अक्टूबर-नवंबर में एशियाई महिला हॉकी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। परिसर में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप दस हजार दर्शक क्षमता वाला एथलेटिक्स स्टेडियम, फुटबॉल मैदान, दो सम्मेलन केंद्र, तैराकी परिसर, छात्रावास, घुड़सवारी परिसर, क्रिकेट स्टेडियम तथा साइकिल वेलोड्रोम भी विकसित किए जा रहे हैं। दूसरे चरण का निर्माण कार्य नवंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने परिसर में चल रही सेना भर्ती प्रक्रिया में शामिल अभ्यर्थियों से भी संवाद किया। अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के लिए साढ़े चार हजार अभ्यर्थियों को बुलाया गया है, जिनमें से तीन हजार का चयन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए देश सेवा के लिए प्रेरित किया।

नई कृषि तकनीकों से बढ़ेगी किसानों की आय :मुख्यमंत्री

बलराम कृषि महोत्सव में किसानों से संवाद सिंचाई, उपार्जन और आधुनिक खेती पर दिया जोर

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खेती की नई तकनीकें किसानों की समृद्धि का नया द्वार हैं। किसान जितना अधिक आधुनिक कृषि पद्धतियों, नई तकनीकों और शासन की योजनाओं से जुड़ेंगे, उनकी आय उतनी ही बढ़ेगी और खेती अधिक लाभकारी बनेगी। उन्होंने कहा कि बागवानी फसलों के विकास और विस्तार में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मध्यप्रदेश को देश का प्रथम पुरस्कार मिला है, जो किसानों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। मुख्यमंत्री सोमवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैतूल में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने बैतूल की उपजाऊ भूमि, प्राकृतिक संपदा और मेहनतकश किसानों की सराहना करते हुए कहा कि मां ताप्ती सहित सात नदियों का आशीर्वाद प्राप्त इस क्षेत्र ने कृषि उत्पादन में विशेष पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि बैतूल के किसान गेहूं, धान, मक्का और श्रीअन्न जैसी फसलों का उत्कृष्ट उत्पादन कर प्रदेश की खाद्य सुरक्षा को मजबूत बना रहे हैं। यदि मध्यप्रदेश देश की खाद्य टोकरी के रूप में स्थापित हुआ है तो इसमें बैतूल के किसानों का महत्वपूर्ण योगदान है। 15 जुलाई से 13 नवंबर तक आयोजित बलराम कृषि महोत्सव के दौरान प्रशासन किसानों तक पहुंचकर उन्हें वैज्ञानिक खेती, आधुनिक कृषि तकनीकों और विभिन्न योजनाओं की जानकारी दे रहा है। मुख्यमंत्री ने किसानों से इस अभियान का अधिकतम लाभ उठाने और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में नई तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को मुख्यमंत्री ने किया नमन

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की जयंती पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि मैथिलीशरण गुप्त ने खड़ी बोली हिंदी को काव्य की सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान कर हिंदी साहित्य को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रकवि ने अपनी लेखनी के माध्यम से राष्ट्रप्रेम, सामाजिक चेतना और भारतीय संस्कृति के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया। उनके साहित्य ने समाज में राष्ट्रीय भावना और सांस्कृतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रदेश में सामान्य से 15 प्रतिशत कम वर्षा

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः मध्यप्रदेश में अब तक औसतन 15.8 इंच वर्षा दर्ज की गई है, जबकि इस अवधि तक 18.5 इंच वर्षा हो जानी चाहिए थी। इस प्रकार प्रदेश में सामान्य से लगभग 15 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, जबलपुर सहित 42 जिलों में औसत से कम वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार मंगलवार और बुधवार को प्रदेश में कहीं भी भारी वर्षा की संभावना नहीं है। सोमवार को भोपाल में कुछ समय वर्षा हुई, जबकि इंदौर सहित कई जिलों में बूंदाबांदी और बादल छाए रहे। प्रदेश के पूर्वी हिस्से में 19 प्रतिशत तथा पश्चिमी हिस्से में 11 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। अनूपपुर, बालाघाट, जबलपुर, सागर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, रायसेन, विदिशा, धार, मंदसौर और नर्मदापुरम सहित 42 जिलों में सामान्य से कम वर्षा हुई है। वहीं सीहोर, इंदौर, देवास, राजगढ़, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, भिंड, बुरहानपुर और 13 जिलों में औसत से अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के अनुसार मानसून द्रोणिका सक्रिय है, लेकिन प्रभावी मौसम प्रणाली मजबूत नहीं होने के कारण भारी वर्षा का दौर फिलहाल थमा हुआ है। चार अगस्त से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है, जिसके प्रभाव से पांच अगस्त से प्रदेश के पूर्वी और उत्तरी क्षेत्रों में भारी वर्षा शुरू हो सकती है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार वर्तमान मौसम सोयाबीन की फसल के लिए अनुकूल है, हालांकि धान की खेती के लिए अभी पर्याप्त वर्षा नहीं हुई है। वहीं खंडवा, खरगोन और बड़वानी क्षेत्र में अधिक वर्षा से कुछ स्थानों पर फसलों को नुकसान भी पहुंचा है।

42 जिलों में औसत से कम बारिश, अगले दो दिन भारी वर्षा के आसार नहीं

संयुक्त राष्ट्र में मध्यप्रदेश पुलिस की कार्यशैली को मिली वैश्विक पहचान

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः भोपाल, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के नेतृत्व में मध्यप्रदेश पुलिस की मानवाधिकार आधारित और जनकेंद्रित पुलिस व्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली है। संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित विश्व मानवाधिकार शिखर सम्मेलन में पुलिस उपमहानिरीक्षक (सामुदायिक पुलिस व्यवस्था) डॉ. विनीत कपूर ने मध्यप्रदेश पुलिस का प्रतिनिधित्व करते हुए मानवाधिकार आधारित पुलिस प्रशिक्षण और सामुदायिक पुलिस व्यवस्था के नवाचारों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया।

विश्व के 70 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं, पुलिस अधिकारियों और मानवाधिकार विशेषज्ञों के बीच डॉ. कपूर ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस ने भारतीय संविधान की मूल भावना और मानवाधिकारों के सिद्धांतों को प्रशिक्षण तथा कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाया है। उन्होंने महिला सहायता कक्ष, शक्ति समितियों और परियोजना सृजन जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए बताया कि इनसे महिलाओं, बच्चों और वंचित वर्गों तक न्याय की पहुंच मजबूत हुई है।

सम्मेलन के दौरान मध्यप्रदेश पुलिस की जनकेंद्रित पुलिस व्यवस्था, क्षमता विकास और सामुदायिक सहभागिता की व्यापक सराहना की गई। विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने इसे आधुनिक लोकतांत्रिक पुलिस व्यवस्था का प्रभावी मॉडल बताया। डॉ. कपूर ने प्रदेश के नशामुक्ति अभियान 'नशे से दूरी है जरूरी' का भी उल्लेख किया, जिस पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने समर्थन व्यक्त करते हुए 'नशीले पदार्थों को नहीं' का संदेश दिया। मानवाधिकार शिक्षा, पुलिस प्रशिक्षण और सामुदायिक जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए डॉ. विनीत कपूर को 'मानवाधिकार वीर सम्मान' से सम्मानित किया गया। इसे मध्यप्रदेश पुलिस की संवेदनशील, उत्तरदायी और जनोन्मुखी कार्यप्रणाली की अंतरराष्ट्रीय मान्यता माना गया।

देवड़ा ने कार्यकर्ताओं की समस्याएं सुनीं

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सोमवार को भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रदेशभर से आए कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याएं सुनीं। उन्होंने प्राप्त शिकायतों और समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जिन मामलों का तत्काल समाधान संभव नहीं हो सका, उन्हें आवश्यक कार्रवाई और शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया।

उपमुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त किया कि सभी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी।

रहवासी न्यायालय में रखेंगे पक्ष, सरकार ने समीक्षा तक कार्रवाई पर लगाई रोक

आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों पर विवाद गहराया

नईदुनिया प्रतिनिधि, भोपालः राजधानी के बावड़ियाकलां, अरेरा कॉलोनी सहित कई आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध नगर निगम की सीलिंग कार्रवाई फिलहाल रोक दी गई है। सरकार ने मामले की समीक्षा होने तक व्यापारियों को राहत देने का निर्णय लिया है। दूसरी ओर, रहवासियों ने इस फैसले का विरोध करते हुए न्यायालय में अपना पक्ष रखने की घोषणा की है।

अरेरा कॉलोनी निवासी विवेक त्रिपाठी ने बताया कि चार अगस्त को उच्चतम न्यायालय में इस मामले की सुनवाई होगी। उनका कहना है कि न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप अवैध व्यावसायिक गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

इधर, कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने कहा कि पिछले दो दशक से भोपाल का मास्टर प्लान लागू नहीं हुआ है। उन्होंने सरकार से इसे शीघ्र लागू करने की मांग करते हुए कहा कि मिश्रित भूमि उपयोग व्यवस्था पर भी विचार किया जा सकता है, जिससे व्यापारियों को राहत मिले।

रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में पूरे प्रकरण की समीक्षा के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की समिति गठित करने का निर्णय लिया गया। समिति न्यायालय के निर्देशों का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि समिति की रिपोर्ट आने तक व्यापारियों को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

इससे पहले अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, बावड़ियाकलां सहित कई क्षेत्रों के रहवासियों ने आवासीय परिसरों में व्यावसायिक गतिविधियों के विरोध में पैदल मार्च निकालकर कार्रवाई की मांग की थी।

भारतीय खिलाड़ियों की उपलब्धि पर मुख्यमंत्री ने जताया गर्व

नप्र, भोपाल : मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्लासगो में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर देश का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि भारत ने 13 स्वर्ण सहित कुल 39 पदक जीतकर विश्व मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। यह उपलब्धि खिलाड़ियों के समर्पण, अनुशासन और अथक परिश्रम का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने सभी पदक विजेताओं, प्रशिक्षकों और भारतीय दल के सभी सदस्यों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेलों को मिल रहे प्रोत्साहन, आधुनिक खेल अधोसंरचना और खिलाड़ियों को उपलब्ध कराए जा रहे निरंतर सहयोग से भारत नई खेल शक्ति के रूप में उभर रहा है।

भारत के युवा खिलाड़ियों ने राष्ट्र का बढ़ाया मानः सारंग

नप्र, भोपाल : राष्ट्रमंडल खेल-2026 में भारतीय खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में भारत के 122 खिलाड़ियों ने आठ सामान्य खेलों और पांच पैरा खेलों में भाग लिया। मध्यप्रदेश अकादमी की जूडो खिलाड़ी यामिनी मौर्य और भारोत्तोलक अजय बाबू ने रजत पदक जीतकर प्रदेश का नाम भी रोशन किया। इस बार कुश्ती, बैडमिंटन, हॉकी, निशानेबाजी और टेबल टेनिस जैसे पारंपरिक खेल प्रतियोगिता का हिस्सा नहीं थे, इसके बावजूद भारतीय खिलाड़ियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं, आधुनिक खेल अधोसंरचना और व्यापक अवसर मिलने से देश के युवा वैश्विक स्तर पर सफलता प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में खेल परिसर विकसित किए जा रहे हैं, जिससे खेल संस्कृति को और मजबूती मिलेगी। भारतीय मुक्केबाजों ने 10 पदक, जिनमें सात स्वर्ण शामिल हैं, जीतकर नया कीर्तिमान बनाया। मीराबाई चानू ने लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीता, जबकि जूडो, एथलेटिक्स और पैरा खेलों में भी भारतीय खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया। राष्ट्रमंडल खेल-2026 के बाद भारत के कुल पदकों की संख्या 603 हो गई है और देश खेलों के इतिहास में चौथा सबसे सफल राष्ट्र बन गया है। अब वर्ष 2030 में भारत में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर दुनिया की निगाहें टिकी हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1,भोपाल-462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, ज़ोन-1, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01, e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, www.naiduniaonline.com